भारत सरकार

खान मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 926

दिनांक 08.02.2023 को उत्तर देने के लिए

भूस्खलनों में वृद्धि

†926. श्री विष्णु दयाल राम:

क्या **खान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :
(क) क्या भारत में भूस्खलनों की संख्या में वृद्धि हुई है;
(ख) यदि हां, तो इसका राज्य-वार क्या कारण हैं;
(ग) क्या सरकार भूस्खलनों जोनिंग का नियमित विश्लेषण करती है;
(घ) यदि हां, तो इसकी प्रक्रिया क्या है और ये जांच कितनी बार की जाती है; और
(ङ) यदि नहीं, तो नियमित जांच न करने के क्या कारण हैं?

उत्तर

खान, कोयला एवं संसदीय कार्य मंत्री

(श्री प्रल्हाद जोशी)

(क): जी नहीं, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण [जीएसआई], खान मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय, ने भूस्खलन पर ऐसा कोई अध्ययन नहीं कराया है।

(ख) : उपर्युक्त (क) को ध्यान में रखते हुए प्रश्न नहीं उठता।

(ग) : जी हाँ। जीएसआई नियमित भूस्खलन जोनिंग विश्लेषण करता है।

(घ) और (ङ): जीएसआई ने भूस्खलन की संभावना वाले 4.34 लाख वर्ग किमी क्षेत्र के लिए 1:50,000 पैमाने पर भूस्खलन सूची और भूस्खलन संवेदनशीलता मानचित्र तैयार करने के लिए राष्ट्रीय भूस्खलन संवेदनशीलता मानचित्रण (एनएलएसएम) नामक एक कार्यक्रम शुरू किया है। भूस्खलन की संवेदनशीलता का मानचित्र प्राकृतिक परिस्थितियों में एक क्षेत्र में भविष्य में भूस्खलन होने की संभावना के आधार पर भूभाग को तीन क्षेत्रों में वर्गीकृत करता है - "उच्च", "मध्यम", और "निम्न"। जीएसआई ने उपरोक्त क्षेत्र का आधारभूत भूस्खलन संवेदनशीलता मानचित्रण की तैयारी पूरी कर ली है।

इसके अलावा, जीएसआई संबंधित राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों के अनुरोधों के अनुसार ज्यादातर महत्वपूर्ण क्षेत्रों की 1:10,000 पैमाने पर भूस्खलन संवेदनशीलता मानचित्रण और 1:1000 पैमाने पर विस्तृत साइट-विशिष्ट भूस्खलन जांच कर रहा है।

*****